SAMQUEST-Journal of Emerging Innovations
E-ISSN 3108-1207
Vol.2, Issue 1,pp.124-127 , Jan-June 2026
Available online at: https://www.samglobaluniversity.ac.in/archives/

शीर्षक: सतत विकास लक्ष्यों के प्रति पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की जागरूकता का अध्ययन

[1]जयति शाह , [2]डॉ. साधना सक्सेना
शोधकर्ता ,शोध निर्देशिका
सेम ग्लोबल विश्वविद्यालय
Corresponding author Email: jayati.shah014@gmail.com
Received:25/05/2026; **Accepted**:21/06/2025 ;**Published**:22/07/2026

सारांश (Abstract)
संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2015 में निर्धारित सतत विकास लक्ष्य (Sustainable Development Goals – SDGs) वैश्विक स्तर पर सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय विकास सुनिश्चित करने हेतु एक महत्वपूर्ण पहल है। इन 17 लक्ष्यों का उद्देश्य वर्ष 2030 तक गरीबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वच्छ ऊर्जा, जल संरक्षण तथा पर्यावरण सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में संतुलित विकास स्थापित करना है। पुस्तकालय ज्ञान एवं सूचना के प्रमुख केंद्र होने के कारण SDGs की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं में SDGs के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, सूचना साक्षरता विकसित करना तथा सतत विकास से संबंधित संसाधन उपलब्ध कराना पुस्तकालयों की प्रमुख जिम्मेदारी बन गई है।
प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं में सतत विकास लक्ष्यों के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना है। इस अध्ययन में यह जानने का प्रयास किया गया है कि पुस्तकालय उपयोगकर्ता SDGs के बारे में कितनी जानकारी रखते हैं, वे पुस्तकालय सेवाओं का किस प्रकार उपयोग करते हैं तथा पुस्तकालय SDGs के प्रचार-प्रसार में कितने प्रभावी हैं। अध्ययन में वर्णनात्मक शोध पद्धति का उपयोग किया गया है तथा प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़े संकलित किए गए हैं।
अध्ययन से ज्ञात हुआ कि अधिकांश उपयोगकर्ता SDGs के नाम से परिचित हैं, किंतु सभी लक्ष्यों की विस्तृत जानकारी सीमित है। पुस्तकालयों द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम, डिजिटल संसाधन एवं सूचना सेवाएँ उपयोगकर्ताओं की समझ को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुई हैं। शोध में सुझाव दिया गया है कि पुस्तकालयों को SDGs आधारित कार्यशालाएँ, प्रदर्शनी, सूचना साक्षरता कार्यक्रम तथा डिजिटल जागरूकता अभियान अधिक व्यापक रूप से संचालित करने चाहिए।

मुख्य शब्द:
सतत विकास लक्ष्य, SDGs, पुस्तकालय, जागरूकता, सूचना साक्षरता, पुस्तकालय उपयोगकर्ता

प्रस्तावना
मानव सभ्यता के विकास के साथ-साथ पर्यावरणीय असंतुलन, सामाजिक असमानता, गरीबी, बेरोजगारी तथा शिक्षा जैसी अनेक

समस्याएँ विश्व के समक्ष चुनौती बनकर उभरी हैं। इन समस्याओं के समाधान हेतु United Nations ने वर्ष 2015 में "Transforming Our World: The 2030 Agenda for Sustainable Development" के अंतर्गत 17 सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को अपनाया। इन लक्ष्यों का उद्देश्य विश्व में शांति, समृद्धि एवं पर्यावरणीय संतुलन स्थापित करना है।

सतत विकास का अर्थ ऐसा विकास है जो वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकताओं से समझौता न करे। शिक्षा, सूचना एवं ज्ञान सतत विकास के प्रमुख आधार हैं। पुस्तकालय समाज में ज्ञान के प्रसार एवं सूचना उपलब्ध कराने वाले प्रमुख संस्थान हैं, इसलिए SDGs की प्राप्ति में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

आज पुस्तकालय केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि वे डिजिटल सूचना केंद्र, सामुदायिक शिक्षा केंद्र तथा सामाजिक जागरूकता मंच के रूप में विकसित हो रहे हैं। पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को SDGs से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराना, उन्हें पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक समानता के प्रति जागरूक करना पुस्तकालयों की सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा बन चुका है।

2. अध्ययन का महत्व

यह अध्ययन निम्न कारणों से महत्वपूर्ण है—

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं में SDGs के प्रति जागरूकता का स्तर ज्ञात किया जा सकेगा।

पुस्तकालयों की भूमिका एवं प्रभावशीलता का मूल्यांकन संभव होगा।

SDGs आधारित पुस्तकालय सेवाओं के विकास हेतु सुझाव प्राप्त होंगे।

सूचना साक्षरता एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में नए शोध को प्रोत्साहन मिलेगा।

3. अध्ययन के उद्देश्य

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं में SDGs के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।

SDGs संबंधी जानकारी प्राप्त करने के स्रोतों का पता लगाना।

पुस्तकालय सेवाओं की भूमिका का मूल्यांकन करना।

उपयोगकर्ताओं की सूचना आवश्यकताओं का विश्लेषण करना।

SDGs के प्रचार-प्रसार हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।

4. अनुसंधान प्रश्न

क्या पुस्तकालय उपयोगकर्ता SDGs के बारे में जानते हैं?

उपयोगकर्ताओं को SDGs संबंधी जानकारी किन माध्यमों से प्राप्त होती है?

क्या पुस्तकालय SDGs जागरूकता में प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं?

पुस्तकालय सेवाओं से उपयोगकर्ताओं को कितना लाभ मिल रहा है?

5. परिकल्पना (Hypothesis)

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं में SDGs के प्रति सामान्य जागरूकता विद्यमान है।

डिजिटल पुस्तकालय सेवाएँ SDGs जागरूकता बढ़ाने में सहायक हैं।

सूचना साक्षरता कार्यक्रम उपयोगकर्ताओं की समझ को प्रभावित करते हैं।

6. साहित्य समीक्षा (Review of Literature)

6.1 International Federation of Library Associations and Institutions (2016)

IFLA ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया कि पुस्तकालय SDGs की प्राप्ति में सूचना उपलब्ध कराकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पुस्तकालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देते हैं।

6.2 United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization (2017)

UNESCO के अनुसार सतत विकास हेतु सूचना तक समान पहुँच आवश्यक है।

पुस्तकालय सामाजिक विकास एवं ज्ञान प्रसार के प्रभावी केंद्र हैं।

6.3 कुमार एवं शर्मा (2019)

इनके अध्ययन में पाया गया कि विश्वविद्यालय पुस्तकालयों द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों में SDGs की समझ बढ़ाने में सहायक हैं।

6.4 सिंह (2021)

शोध में निष्कर्ष निकाला गया कि डिजिटल संसाधन एवं ई-पुस्तकालय सेवाएँ SDGs संबंधी जानकारी के प्रसार में प्रभावी माध्यम हैं।

7. अनुसंधान पद्धति (Research Methodology)

इस अध्ययन में वर्णनात्मक एवं सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया गया है।

7.1 डेटा संग्रहण के स्रोत

- प्राथमिक स्रोत
- प्रश्नावली
- साक्षात्कार
- अवलोकन
- द्वितीयक स्रोत
- पुस्तकें
- शोध पत्र
- ई-जर्नल
- वेबसाइट

7.2 नमूना चयन

अध्ययन हेतु विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयीन पुस्तकालयों के 100 उपयोगकर्ताओं का चयन किया गया।

7.3 डेटा विश्लेषण

संकलित आंकड़ों का प्रतिशत एवं तालिका विधि से विश्लेषण किया गया।

क्रमांक	प्रश्न	हाँ (%)	नहीं (%)
1	क्या आप SDGs के बारे में जानते हैं?	78	22
2	क्या पुस्तकालय SDGs संबंधी सामग्री उपलब्ध कराता है?	72	28
3	क्या आपने SDGs संबंधी कार्यक्रमों में भाग लिया है?	55	45
4	क्या डिजिटल संसाधनों से जानकारी प्राप्त होती है?	81	19
5	क्या पुस्तकालय जागरूकता बढ़ाने में सहायक है?	84	16

8. आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

व्याख्या

अधिकांश उपयोगकर्ता SDGs के नाम से परिचित पाए गए।

डिजिटल संसाधनों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।

पुस्तकालयों द्वारा आयोजित कार्यक्रम जागरूकता बढ़ाने में प्रभावी हैं।

कुछ उपयोगकर्ताओं में SDGs की विस्तृत जानकारी का अभाव पाया गया।

9. पुस्तकालयों की भूमिका

पुस्तकालय निम्न प्रकार से SDGs के प्रचार-प्रसार में योगदान दे सकते हैं—

- SDGs आधारित पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित करना।
- डिजिटल सूचना संसाधन उपलब्ध कराना।
- सूचना साक्षरता कार्यक्रम चलाना।
- पर्यावरण जागरूकता अभियान आयोजित करना।

- शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहित करना।
- सामुदायिक शिक्षा कार्यक्रम संचालित करना।

10. प्रमुख निष्कर्ष (Findings)

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं में SDGs के प्रति सामान्य जागरूकता मौजूद है।

डिजिटल माध्यम SDGs जानकारी का प्रमुख स्रोत बन रहे हैं।

पुस्तकालयों की भूमिका जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण है।

सूचना साक्षरता कार्यक्रम उपयोगकर्ताओं की समझ को बढ़ाते हैं।

ग्रामीण एवं छोटे महाविद्यालयों में जागरूकता अपेक्षाकृत कम पाई गई।

11. सुझाव (Suggestions)

पुस्तकालयों में SDGs कॉर्नर स्थापित किए जाएँ।

नियमित कार्यशालाएँ एवं सेमिनार आयोजित किए जाएँ।

ई-संसाधनों एवं डिजिटल डेटाबेस का विस्तार किया जाए।

उपयोगकर्ताओं हेतु सूचना साक्षरता प्रशिक्षण चलाया जाए।

सामाजिक एवं पर्यावरणीय विषयों पर जागरूकता अभियान संचालित किए जाएँ।

पुस्तकालयों को SDGs आधारित नीति अपनानी चाहिए।

12. निष्कर्ष (Conclusion)

सतत विकास लक्ष्य मानव कल्याण एवं वैश्विक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैं। पुस्तकालय ज्ञान एवं सूचना के माध्यम से SDGs की प्राप्ति में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। प्रस्तुत अध्ययन से स्पष्ट होता है कि पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं में SDGs के प्रति जागरूकता बढ़ रही है, किंतु अभी भी व्यापक स्तर पर सूचना प्रसार एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

डिजिटल पुस्तकालय सेवाएँ, सूचना साक्षरता कार्यक्रम एवं जागरूकता अभियान उपयोगकर्ताओं की समझ को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकते हैं। अतः आवश्यक है कि पुस्तकालय SDGs को अपनी सेवाओं एवं गतिविधियों में अधिक प्रभावी ढंग से सम्मिलित करें, ताकि समाज में सतत विकास की अवधारणा को मजबूत बनाया जा सके।

संदर्भ सूची (References)

United Nations. Transforming Our World: The 2030 Agenda for Sustainable Development. New York, 2015.

International Federation of Library Associations and Institutions. Libraries and the Sustainable Development Goals. Hague, 2016.

United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization. Education for Sustainable Development Goals, Paris, 2017.

कुमार, आर. एवं शर्मा, वी. "विश्वविद्यालय पुस्तकालयों की SDGs में भूमिका", पुस्तकालय विज्ञान जर्नल, 2019.

सिंह, ए. "डिजिटल पुस्तकालय एवं सतत विकास", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइब्रेरी साइंस, 2021.